बाल संरक्षण

(1) बाल संरक्षण क्लब –

महाविद्यालय में 28 फरवरी 2020 को बाल संरक्षण क्लब का गठन किया गया। बाल संरक्षण क्लब द्वारा बाल संरक्षण के मुद्दे जैसे बाल संरक्षण अधिकार, बाल लैंगिक शोषण, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल तस्करी, बाल भिक्षावृत्ति, बालको के साथ क्रूरता, बाल अपराध विषयों पर विद्यार्थियों को बेबिनार, चर्चा, संगोष्ठी, मानव श्रृंखला एवं शपथ ग्रहण, पोस्टर मेकिंग, चित्रकला, फोटोग्राफी, रंगोली, नारा लेखन, क्विज प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, नुक्कड़–नाटक आदि माध्यमों से जागरूक किया जाता है तथा समाज में बच्चों से संबंधित मुद्दे पर जानकारी प्रदान करके बाल शोषण रोकने के लिए प्रेरित किया जाता है।

ACTIVITY NO. गतिविधि क्र.	COLLEGE NAME/ (CP CLUB NAME) **कॉलेज का नाम/ सी.पी क्लब का नाम**	**NAME OF THE ACTIVITY** **गतिविधि का नाम**	**DESCRIPTION** **विवरण**	**PEOPLE REACHED** **कितने लोगों तक पहुचें**	**LEARNINGS** **सीख**
01.	शासकीय कला एवं वाणिज्य नवीन महाविद्यालय भोपाल	सी.पी क्लब का गठन	महाविद्यालय में सी. पी. क्लब का गठन हुआ। क्लब में कुल 16 सदस्यों को जगह दी गई और इसी के साथ सभी ने आपसी तालमेल के साथ अन्य सदस्यों का चयन किया।	महाविद्यालय के रा.से.यो के सभी स्वयंसेवकों तक पहुंचाई गई।	सीपी क्लब के गठन के साथ ही सभी स्वयंसेवक का ध्यान रखने की बात कही और साथी खुद भी अगर कहीं भी उन्हें बचाने से जुड़ी गैर कानूनी गतिविधियां की सूचना मिलते ही

					तुरंत 1098 न. संचालित होता है इसके नजदीकी पुलिस केंद्र से संपर्क करना चाहिए।
02	दिनांक 29. 02.202020	बाल सुरक्षा एवं अधिकारों से जुड़े विषय पर ग्राम कलखेड़ा में आवाज संस्था से श्री प्रशांत दुबे तथा श्रीमती रोली शिवहरे का व्याख्यान।	बाल सुरक्षा व उनके अधिकारों विषय पर ग्राम कलखेड़ा में श्री प्रशांत दुबे तथा श्रीमती रोली शिवहरे द्वारा इस विषय पर व्याख्यान दिया गया। जिसमें रा.से.यो के सभी छात्र–छात्रा द्वारा इस विषय को बड़ी गहन तरीके से समझाया गया। और कैसे हमें बच्चों की अध्नग्न इमेज व्हाट्सएप या अन्य माध्यम से वायरल नहीं करना चाहिए। किसी भी गुमशुदा की तस्वीरों को भी यूं ही बिना जांच–पड़ताल के फारवर्ड नहीं करना आदि।	इस व्याखान में महाविद्यालय के छात्र छात्राओ के साथ साथ गांव में पढ़ रहे बच्चों ने भी हिस्सा लिया। साथ ही ग्रामीण लोगो ने भी इसमें हिस्सा लिया और बच्चों से जुड़ी कानूनी और गैर कानूनी बातों कोध्यान पूर्वक सुना	किस तरह एक मामूली दिखने वाली वायरल फोटो भी किसी के लिए जानलेवा हो सकती है इस का आभास सभी को बहुत अच्छे तरीके से हुआ। सभी ने ये मना की उन्होंने भी न जाने कितने ही तरह के फोटो को फॉरवर्ड कि याहै। लेकिन सुबह का भुला शाम को वापिस आ जाए तो उसे भूला नहीं कहते इसी पंक्ति को चरितार्थ करते हुए सभीने आगे से किसी भी फोटो को बिना जांच के फॉरवर्ड नहीं करने का संकल्प लिया।
3	दिनांक 02.	महाविद्यालय		इस कार्यक्रम	ग्रामीण सर्वे के

	03.2020	के छात्रो द्वारा ग्राम कलखेड़ा में सर्वे कार्य किया गया ग्राम कलखेड़ा में रा.से.यो के तहत सात दिवसीय विशेष कैंप में ग्राम कलखेड़ा में ग्रामीण परिवेश के अंतर्गत बच्चों से जुड़े विषयो पर सर्वे कार्य किया। सर्वे के अंतर्गत कुछ विशेष बिंदु जो ग्रामीण लोगो के पूछे गए।		के तहत महाविद्यालय के छात्रो द्वारा ग्रामीण परिवेश का भ्रमण करते हुए, वहा तकरीबन 25–30 घरों में बच्चों से जुड़े मुद्दों पे जन जागरूकता की व बच्चों को उनके अधिकार बताएखा जाता है।	दौरान सभी ने ये की अभी भी गावो में कुछ ऐसी । है जहां बच्चों को सिर्फ एक बच्चे तरह ही देखा जाता है । उन्हें अधिकारो के बारे में भी जानकारी होती । साथ ही बहुत से ऐसे बच्चे आज भी हमारे परिवेश में है जि स्कूल जाने को भी नहीं दिया जा
4	दिनांक 05.09.2020	लंबे लॉकडाउन के बाद सभी कार्यो को यथावत करने के प्रयास के लिए सी.पी. क्लब सदस्यो द्वारा मीटिंग।	कोरोना महामारी के बीच उपजे लंबे अन्तराल को कम करने व पुनः अपने सी.पी क्लब से जुड़े सभी कार्यों को यथावत करने के लिए सभी ने सुरक्षित उपाय अपनाते होते विडीओ कालिंग ऐप गूगल मीट के माध्यम से मीटिंग आयोजित की । जिसमें आने वाले समय में कैसे बाल सुरक्षा से जुड़े और सुरक्षित मानको का	महाविद्यालय के समस्त सी.पी क्लब सदस्य।	परिस्थिति चाहे कैसी भी हो प्रयास करते रहना चाहिए , इसी के तहत सभी ने ये सिखा की आने वाले समय को हम सभी एक बेहतर अवसर के तौर पे लेंगे और ज्यादा से ज्यादा कोशिश करेंगे की सुरक्षित शारीरिक दुरी का पालन करते हुए सभी तरह के आयोजन

			ध्यान भी रखा जाए। इसके लिए क्लब के सभी सदस्यो ने अपनी अपनी राय व्यक्त की व किस तरह से नए नए तरह की आयोजन किया जा सके इसके लिए अपना सुझाव दिया ।		किया जाए।
5	fnukad 08-09-2020	बाल संरक्षण पर ऑनलाइन वेबीनार	बाल संरक्षण क्लब की ओर से ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया जिसका विषय बाल संरक्षण में युवाओं की भूमिका था कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ आनंद सक्सेना राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम संबंधित बरकतउल्ला ने कहा कि वर्तमान कोरोना काल में युवाओं को मानसिक रूप से स्वस्थ होने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को इस कार्य में सहयोग प्रदान करती है। विशेष अतिथि श्री राहुल सिंह परिहार	इस ऑनलाइन वेबीनार में महाविद्यालय के शिक्षक एवं सभी छात्र–छात्राओं सहित 430 लोग जुड़े।	वर्तमान कोरोना काल में युवाओं को मानसिक रूप से स्वयंसेवकों को बोलना काल में राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों की नई रूपरेखा बनाने के लि

			राष्ट्रीय सेवा योजना मुक्त इकाई बरकतउल्ला ने स्वयंसेवकों को बोलना काल में राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों की नई रूपरेखा बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री प्रशांत दुबे ने बच्चों के अधिकार देते जीवन का अधिकार विकास का अधिकार तथा सहभागिता का अधिकार पर चर्चा का बाल सुरक्षा से जुड़े विषय पर विचार व्यक्त किया। दुबे ने बताया कि एक अध्ययन में लगभग 53: बच्चों ने स्वीकार किया कि वह किसी ना किसी तरह के लैंगिक शोषण के शिकार हुए हैं। विचार को रोकने के लिए सरकार ने 2012 पोक्सो कानून लागू किया है, जो बालों को खोलेंगे कपड़ा धो से संरक्षण प्रदान		

			करता है।इसके बारे में सभी को जानकारी होना आवश्यक है उन्होंने बताया कि भोपाल जैसे विकसित जिले में 36ः बाल विवाह है प्रदेश में लगभग 30 बच्चे प्रति दिन गायब होते हैं जिसमें से 9 बच्चे वापस घर नहीं आते इसलिए स्वयंसेवक जागरुक होकर इस बुराई को रोकने के लिए सतर्क रहें।		
6	fnukad 16-11-2020	बाल का सप्ताह महफूज प्रथम दिवस।	बाल अधिकार सफ्ताह'' महफूज के अन्तर्गत महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा शपथ ग्रहण किया गया। खुद को बाल संरक्षण के प्रति सजग और जागरूक करने हेतु अपना समय देने की पहल की।	महाविद्यालय सी.पी क्लब सदस्य व राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक	बाल अधिकार हनन के विरुद्ध जागरूकता हेतु अपना समय देने की पहल व साथ ही शपथ ग्रहण करते समय इसकी जागरूकता की शुरुआत सबसे पहले अपने ही घर परिवार व मोहल्ले से किया जा
7		बाल अधिकार सप्ताह महफूज दवितीय दिवस।	बाल अधिकार सप्ताह ''महफूज'' के अंतर्गत सप्ताह के दूसरे दिन रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया	महाविद्यालय सी.पी क्लब सदस्य राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक	

			गया जिसमें रंगोली का विषय थीम चाइल्ड एब्यूजध्चाइल्ड प्रोटेक्शन रहा।रंगोली प्रतियोगिता के अंतर्गत महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा रंगोली प्रतियोगिता में सहभागिता की गई,स्वयंसेवकों द्वारा अनेक अनेक तरीके की रंगोली बनाकर चाइल्ड एब्यूज जैसे गंभीर विषयों के ऊपर अपना ध्यान आकर्षित किया गया।		
8		बाल अधिकार सप्ताह ''महफूज''तृतीय दिवस।	बाल अधिकार सप्ताह ''महफूज'' के तीसरे दिन छात्र–छात्राओं द्वारा मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मेहंदी प्रतियोगिता में सहभागिता की गई अनेकों तरीकों से मेहंदी बनाकर बाल संरक्षण के	महाविद्यालय सी.पी क्लब सदस्य व राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक	

			ऊपर अपना ध्यान आकर्षित किया।		
9		बाल अधिकार सत्ताह ''महफूज'' चतुर्थ दिवस।	बाल अधिकार सप्ताह महफूज के चौथे दिन छात्र–छात्राओं द्वारा मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मेहंदी प्रतियोगिता में सहभागिता की गई अनेकों तरीके से मेहंदी बनाकर बाल संरक्षण के ऊपर अपना ध्यान आकर्षित किया।	महाविद्यालय सी.पी क्लब सदस्य व राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक	
10	fnukad 17-11-2020	बाल अधिकार सप्ताह में ''महफूज'' पंचम दिवस।	बाल अधिकार सप्ताह में महफूज के अंतर्गत पांचवें दिवस में बाल संरक्षण अधिकार विषय पर पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया पोस्टर मेकिंग के अंतर्गत महाविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा बाल संरक्षण व उनके अधिकारों के ऊपर पोस्टर का आयोजन किया इसमें विशेष तौर पर बाल श्रम बाल अधिकार के ऊपर	महाविद्यालय सी.पी क्लब सदस्य व राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक	

			अपनी कलात्मक रचनाकर पोस्टर मेकिंग में सफलता सहभागिता की।		
11		बाल अधिकार कर सप्ताह'' महफूज छठवां दिवस।	बाल अधिकार सप्ताह महफूज के अंतर्गत छठवां दिवस में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों द्वारा नवाचार करते हुए ऑनलाइन फिल्म प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें ऐसी फिल्म का प्रदर्शन किया गया जो बाल अधिकारों के हनन के ऊपर दिखाई गई है इसमें हम सभी ने अपनी ओर से पूरी कोशिश की कि बाल संरक्षण व बाल अधिकार के विषय को आसानी से समझा जा सके।	महाविद्यालय सी.पी क्लब सदस्य व राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक	
12		महाविद्यालय स्तर पर बाल संरक्षण और अधिकार विषय पर कार्यक्रम का आयोजन।	महाविद्यालय की सी.पी क्लब के सदस्यों द्वारा महाविद्यालय में नवीन भवन का निर्माण किया जा रहा है।	महाविद्यालय सी.पी क्लब सदस्य व राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक	

07 दिवसीय षिविर दिनांक 27.02.2020 से 04.03.2020 तक कलखेड़ा ग्राम नीलबड़ भोपाल 29.02.2020 को बाल सरंक्षण एवं बाल अधिकार विषय पर श्री प्रषांत दुबे एवं श्रीमती रोली षिवहरे द्वारा व्याख्यान

बेविनार बाल संरक्षण पर दिनांक 08 सितम्बर 2020

WEBINAR

8TH SEPTEMBER 2020
(TUESDAY), 01:00 PM

Organised by

NSS UNIT and NSS CP CLUB of

Govt. College Of Arts And Commerce (Naveen) College

You are invited

To attend

"Webinar on Role Of Youth In Child Protection" addressed by speaker on Child Rights and Child Protection.

SPEAKER
Mr.Prashant Dubey
Director , Aawaj

Dr.Antima Tiwari
Incharge Principal

Dr. Anant Kumar Saxena
Programme Coordinator,NSS, BU Bhopal

Mr. Rahul Singh Parihar
ETI Trainer & PO NSS Open Unit, BU Bhopal

Dr Bindu Mahavar
PO, NSS (Boys Unit)

"Role of Youth in Child Protection By Child Rights and Child Protection Activist"

For More Info :

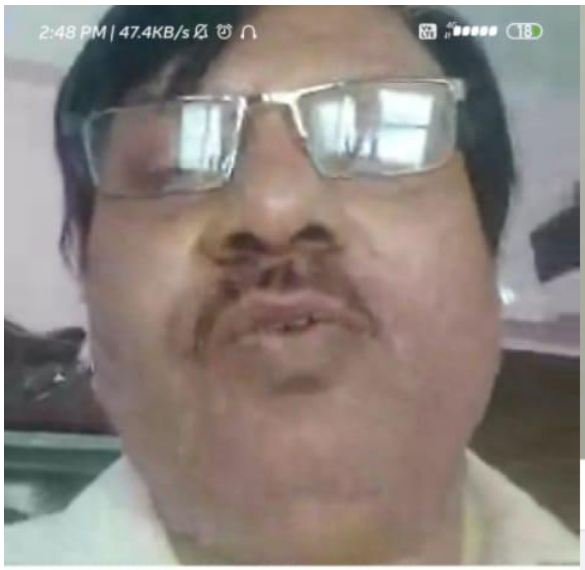
2:48 PM | 47.4KB/s
(31)
29
NSS_Naveen_Official (You)

(48)
1
NSS_Naveen_Official (You)
Aawaj Madhya Pradesh

(49)
1
NSS_Naveen_Official (You)

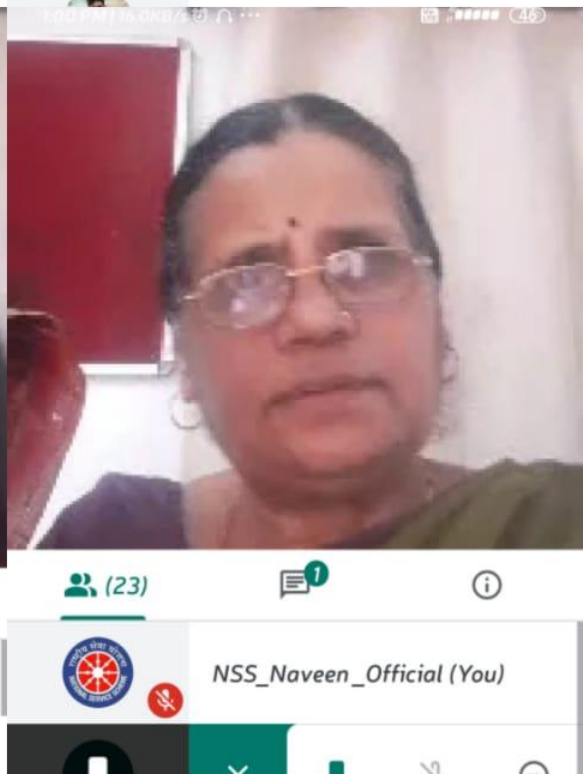
(23)
1
NSS_Naveen_Official (You)

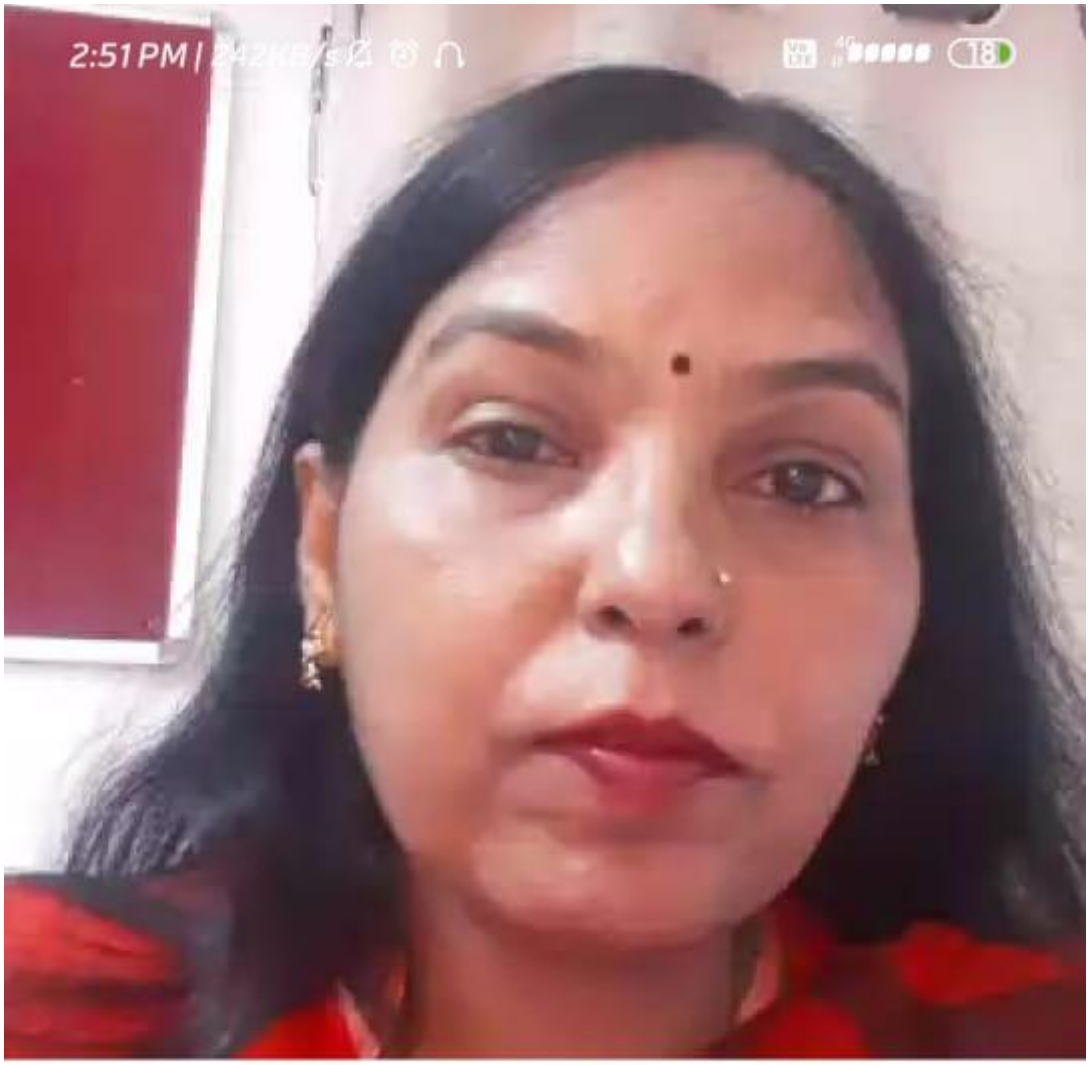

2:51 PM
(32)
4
NSS_Naveen_Official (You)
anant saxena
19:11
Bindu mahawar
NSS_Naveen_Official

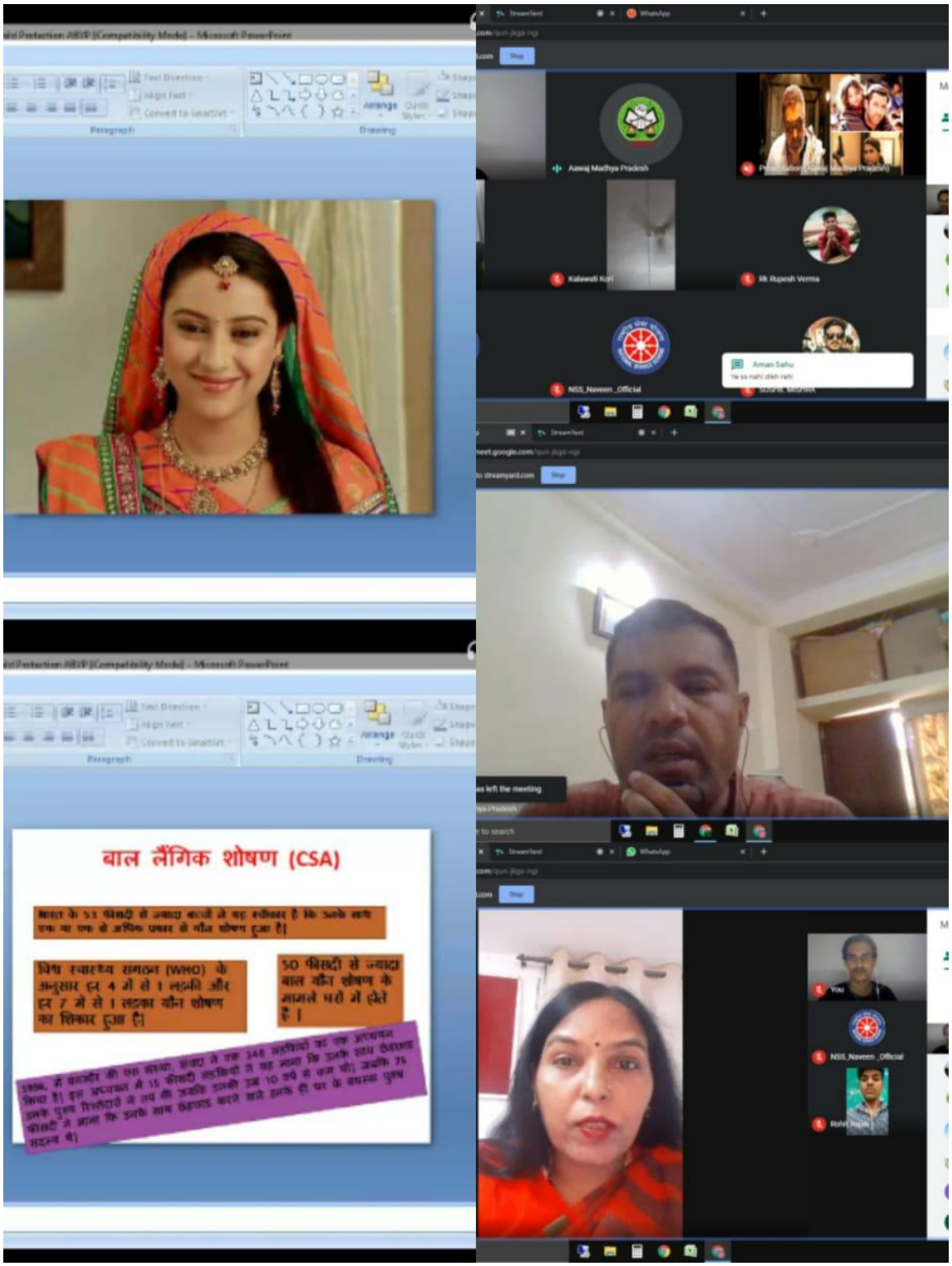

बाल लैंगिक शोषण (CSA)
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार हर 4 में से 1 लड़की और हर 7 में से 1 लड़का यौन शोषण का शिकार हुआ है।
50 फीसदी से ज्यादा बाल यौन शोषण के मामले घरों में होते है।
Aawaj Madhya Pradesh
NSS_Naveen_Official

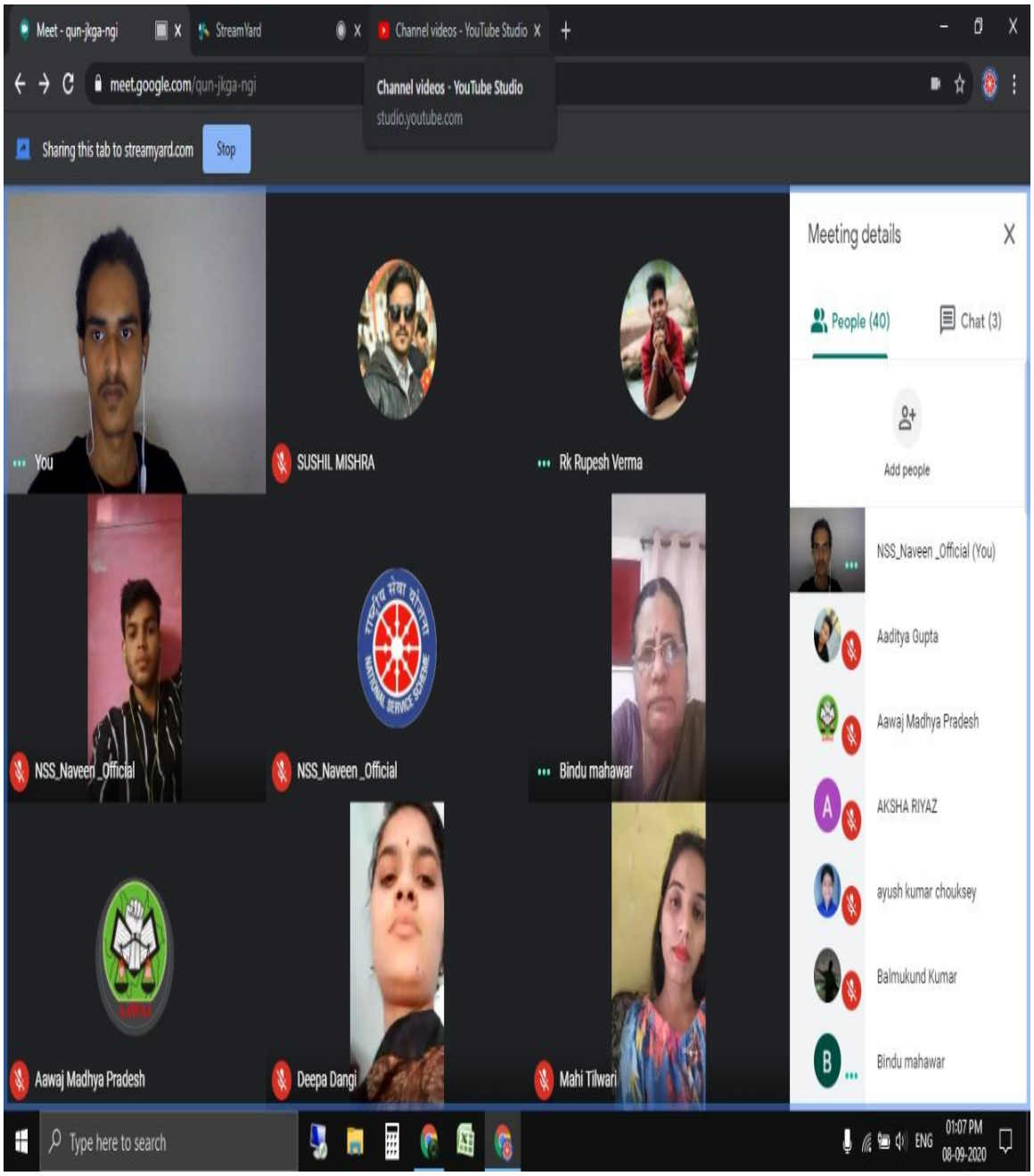
Meet - qun-jkga-ngi
StreamYard
Channel videos - YouTube Studio
meet.google.com/qun-jkga-ngi
Channel videos - YouTube Studio
studio.youtube.com
Sharing this tab to streamyard.com
Stop
You
SUSHIL MISHRA
Rk Rupesh Verma
NSS_Naveen _Official
NSS_Naveen _Official
Bindu mahawar
Aawaj Madhya Pradesh
Deepa Dangi
Mahi Tilwari
Meeting details
People (40)
Chat (3)
Add people
NSS_Naveen _Official (You)
Aaditya Gupta
Aawaj Madhya Pradesh
AKSHA RIYAZ
ayush kumar chouksey
Balmukund Kumar
Bindu mahawar
Type here to search
ENG
01:07 PM
08-09-2020

स्थिति विश्लेषण
मध्यप्रदेश में 26 बच्चे प्रतिदिन गायब हो रहें हैं और इनमें से 16 लडकियां हैं| इनमें से 3 बच्चे फिर कभी मिले नहीं|
प्रदेश में हर रोज गायब हो रहे 26 बच्चे, इनमें 16 लड़कियां
एनसीआरबी 2014 की रिपोर्ट
भोपाल में हर दिन 2 और इंदौर में 5 बच्चे लापता
अंधेरी दुनिया की दास्तान
सुप्रीम कोर्ट में बताया
3370 लड़कियां गुम
You

1:08 PM
(44)
Rohit Rajak (You)
Rk Rupesh Verma
Bindu mahawar
NSS_Naveen _Official

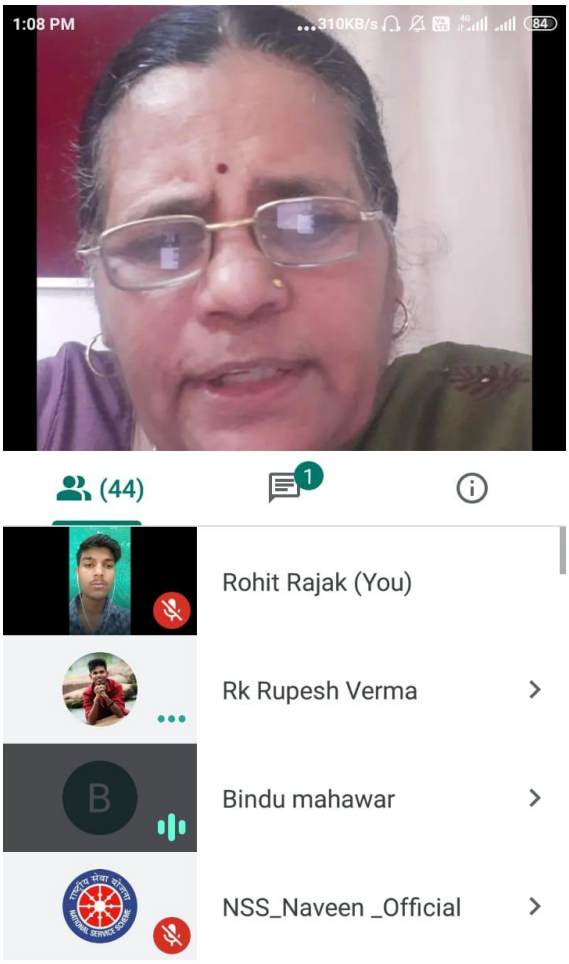

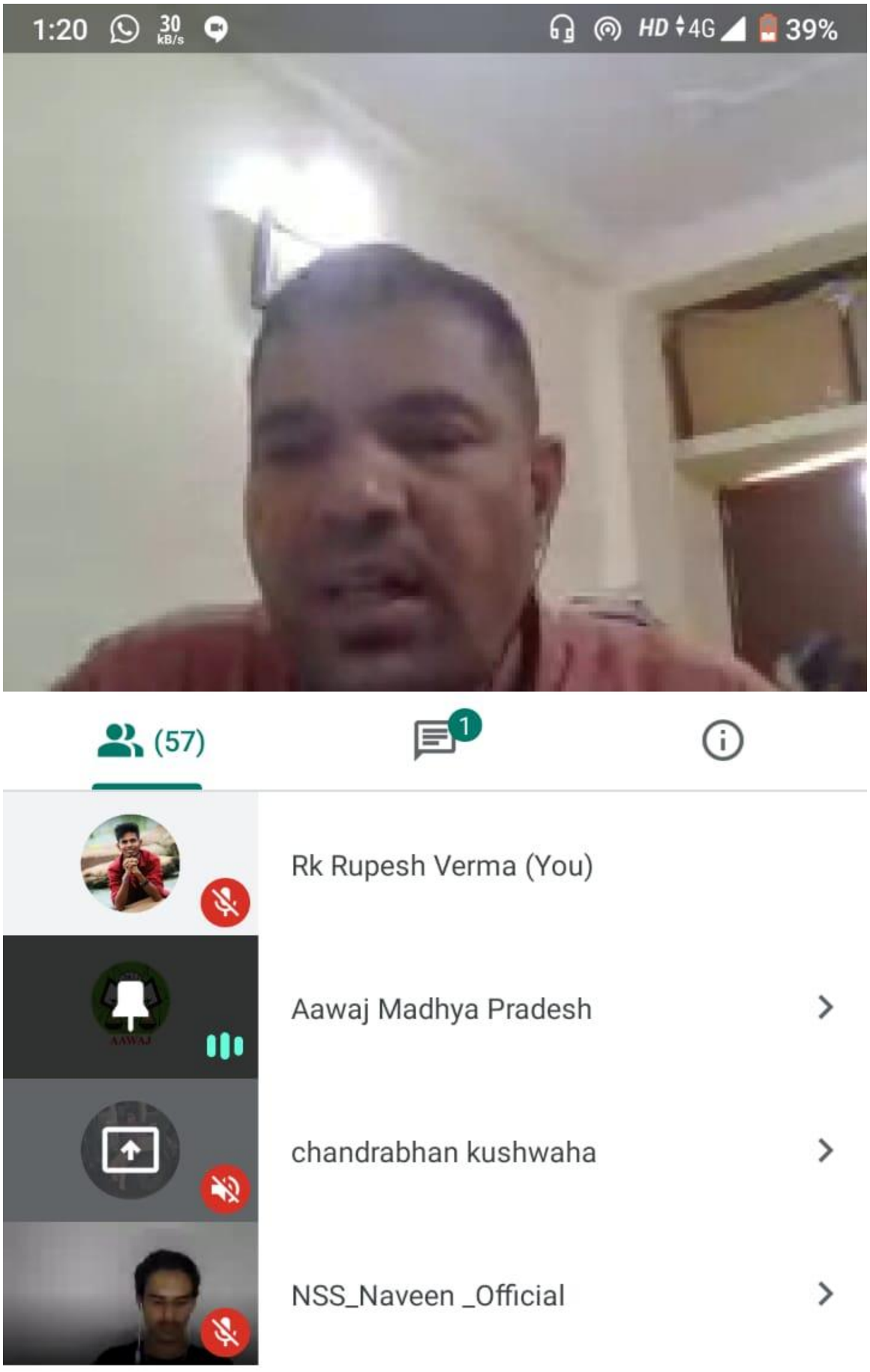

Also in the meeting (53)

खंडवा व इटारसी जंक्शन पर मानव तस्करी पकड़ी, 4 बोगियों से 67 बच्चे बरामद

- खंडवा चाइल्ड लाइन की सूचना पर जीआरपी ने इटारसी में जनसाधारण एक्सप्रेस से 61 व खंडवा में 6 नाबालिगों को उतारा
- बिहार से बंधुआ मजदूरी कराने नासिक व मुंबई भेजे जा रहे थे

भास्कर न्यूज खंडवा/ इटारसी

रक्सौल से मुंबई [illegible] जा रही जनसाधारण एक्सप्रेस की [illegible] बोगी से 6 नाबालिगों को चाइल्ड लाइन व जीआरपी ने बरामद किया है। ये बच्चे बिहार के [illegible] जिले से इंदौर बंधुआ मजदूरी करने जा रहे थे। पुलिस ने दो एजेंटों को भी गिरफ्तार किया है। जिसमें एक महिला शामिल है। इससे पहले [illegible] जीआरपी ने रात 11 बजे इटारसी जंक्शन पर तीन बोगियों में सर्चिंग कर 61 बच्चों को उतारा। खंडवा जंक्शन पर रात 2.50 बजे बच्चों से नाम पता पूछकर [illegible] के बारे में पूछताछ की गई। [illegible]

एजेंट बोले इंदौर में बैग बनाने के कारखाने में मजदूरी के लिए ले जा रहे थे

खंडवा. जंक्शन पर रात 1.15 बजे रक्सौल एक्सप्रेस से बच्चों को उतारकर जीआरपी ले जाया गया।

एक यात्री की सूचना पर हुआ खुलासा

ट्रेन में सवार एक यात्री ने बंधुआ बाल मजदूरी की सूचना रविवार सुबह 11 बजे चाइल्ड लाइन कोऑर्डिनेटर [illegible] को दी। उन्होंने बाल कल्याण अधिकारी [illegible] चौहान को जानकारी दी। ट्रेन का [illegible] बोगी नंबर मिलने के बाद चाइल्ड लाइन सदस्य ने रेलवे एसडीओपी को सूचना दी। जीआरपी टीआई [illegible] सहित 20 जवान इटारसी जंक्शन पहुंचे। रात 1 बजे रक्सौल एक्सप्रेस के खंडवा जंक्शन पर [illegible] जीआरपी व चाइल्ड लाइन ने सबसे पहले [illegible] व [illegible] को ट्रेन से उतार लिया। उसके पीछे बच्चे भी उतर गए। [illegible] बच्चों को अपना [illegible] बता रही थी। लेकिन उनका नाम नहीं बता पाई। बच्चों ने भी [illegible] को पहचानने से इनकार कर दिया। [illegible]

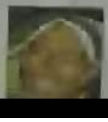

चाइल्ड लाइन ने कहा- मामला मानव तस्करी का है

पूछताछ के दौरान रात 2.30 बजे कुछ बच्चों ने परिजन के मोबाइल नंबर दिए। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष राजेश [illegible] ने बच्चों के परिजन को फोन पर पूछा कि क्या आपने ही बच्चों को [illegible] के साथ भेजा है। परिजन बोले यहां कोई काम-धंधा नहीं है। हर साल ही बच्चे मुंबई, गुजरात, नासिक और इंदौर [illegible]

'बाल संरक्षण में युवाओं की भूमिका' पर वेबिनार

गायब हुए 30 बच्चों में से 9 ही वापस घर आ पाते हैं

भोपाल ◆ शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा बाल संरक्षण क्लब की ओर से ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'बाल संरक्षण में युवाओं की भूमिका' था।

मुख्य अतिथि डॉ. अंनत सक्सेना, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने कहा कि वर्तमान कोरोना काल में युवाओं का मानसिक रूप से स्वस्थ होने की आवश्कयता है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के इस कार्य में सहयोग प्रदान करती है। विशेष अतिथि राहुल सिंह परिहार, राष्ट्रीय सेवा योजना, मुक्त ईकाई, बीयू ने स्वयं सेवकों को कोरोना काल में राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों की नई रूपरेखा बनाने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य वक्ता प्रशांत दुबे ने बच्चों के अधिकार जैसे जीवन का अधिकार, विकास का अधिकार तथा सहभागिता का अधिकार पर चर्चा कर बाल सुरक्षा से जुड़े विषय पर विचार व्यक्त किए। दुबे ने बताया कि एक अध्ययन में लगभग 53 प्रतिशत बच्चों ने स्वीकार किया कि वे किसी न किसी तरह के लैंगिक शोषण के शिकार हुए हैं। इस लैंगिक शोषण को रोकने के लिए सरकार ने 2012 पोक्सो कानून लागू किया है, जो बालको को लैंगिक अपराधों से संरक्षण प्रदान करता है। इसके बारे सभी को जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि भोपाल जैसे विकसित जिले में 36 प्रतिशत बाल विवाह हैं। मध्यप्रदेश में लगभग 30 बच्चे प्रतिदिन गायब होते हैं, जिसमें से 9 बच्चे वापस घर नहीं आते। इसलिए स्वयं सेवक जागरूक होकर इस बुराई को रोकने के लिए सतर्क रहें।

जेसी
मेंबस
पीपी

भोपाल
इंटरनेशनल
जेसीआई
1250 ब्ला
आनंद धाम
कल्याण
मंदिर गोवि
गोविंदपुरा
में वाटर प्
गए। होम्यो
प्यूरीफायर
वितरित की
स्थानीय श
आशीष भंडा
हर्षना बोहरा,
पुर्व अध्यक्ष
अक्षय तिवारी
सिंह, सह
चौरसिया, सह
गुप्ता मौजूद रहे

राठवा जनजा

स्वदेश

'बाल संरक्षण में युवाओं की भूमिका' पर बताए उनके अधिकार

स्वदेश संवाददाता। भोपाल

शसकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा बाल संरक्षण क्लब द्वारा वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का विषय बाल संरक्षण में युवाओं की भूमिका रहा। वेबीनार का उद्घाटन महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंतिमा तिवारी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. अनंत सक्सेना, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक बरकतउल्ला विवि ने कहा कि वर्तमान कोरोना काल में युवाओं का मानसिक रूप से स्वास्थ्य होने की आवश्कयता है। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक रीतिक जैन व रूपेश वर्मा ने किया।

बच्चों के बताए अधिकार : वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रशांत दुबे ने सहभागियों को सम्बोधित करते हुए बच्चे के अधिकार जैसे–जीवन का अधिकार, विकास का अधिकार तथा सहभागिता का अधिकार पर चर्चा करके बाल सुरक्षा से जुड़े विशेष मुद्दे पर विचार व्यक्त किये। श्री दुबे ने लैंगिक शोषण पर चर्चा करते हुए बताया कि एक अध्ययन में लगभग 53 प्रतिशत बच्चों ने स्वीकार किया कि वे किसी न किसी तरह के लैंगिक शोषण के शिकार है।

Bhopal Main-Edition Edition
Sep 10, 2020 Page No. 4
Powered by : eReleGo.com

बच्चों के अधिकारों पर हुई ऑनलाइन चर्चा

भोपाल। राजधानी के शा. कला एंव वाणिज्य महाविद्यालय में मंगलवार को बाल संरक्षण में युवाओं की भूमिका विषय पर बेवीनार का आयोजन किया गया। एनएसएस ईकाई तथा बाल संरक्षण क्लब द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन बेवीनार का शुभारंभ कॉलेज की प्रभारी प्रचार्या डॉ अंतिमा तिवारी द्वारा किया गया। बेवीनार के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना के बीयू के कार्यक्रम संमवयक डॉ अनंत सक्सेना थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि, वर्तमान कोरोना संकट के काल में युवाओं को मानसिक रूप से सबसे ज्यादा स्वस्थ्य रहने की जरूरत है, एनएसएस इसमें अपनी अहम भूमिका निभा रही है, और अपना सहयोग प्रदान करती है। कार्यक्रम के विशेष अतिथि राहुल सिंह परिहार एनएसएस मुक्त ईकाई बीयू भोपाल ने इस मौके पर एनएसएस के स्वयंसेवकों को कोरोना काल के चुनौतीपूर्ण समय में अपने कार्यों की नई रूपरेखा बनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और विषय विशेषज्ञ प्रशांत दुवे निदेशक आवाज संस्था ने बेवीनार को संबोधित करते हुए बाल अधिकारों से जुड़े मुद्दों की जानकारी दी। उन्होंने बाल सुरक्षा और उनके संरक्षण के मुद्दे पर भी अपने विचार रखे। लैंगिक शोषण पर बात करते हुए दुबे ने कहा कि, हमारे देश में करीब 53 प्रतिशत से ज्यादा बच्चों ने माना कि वे किसी ना किसी रूप में लैंगिक शोषण के शिकार हुए हैं। इसी को रोकने के लिए साल 2012 में पॉक्सो एक्ट लागू किया गया है। ताकि बच्चों को अपराधों से संरक्षण दिया जा सके। दुवे ने कहाकि, हैरत की बात है कि भोपाल जैसे विकसित जिले में भी 36 प्रतिशत तक बाल विवाह होते हैं, इस स्थिति को बदलने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

स्त्रोत :- दैनिक समाचार पत्र "नईदुनिया/नवदुनिया"
दिनांक 10सितंबर 2020.
पृष्ठ क्रमांक :- 15.

बच्चों के अधिकारों पर हुई ऑनलाइन चर्चा

भोपाल। राजधानी के शा. कला एंव वाणिज्य महाविद्यालय में मंगलवार को बाल संरक्षण में युवाओं की भूमिका विषय पर बेवीनार का आयोजन किया गया। एनएसएस ईकाई तथा बाल संरक्षण क्लब द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन बेवीनार का शुभारंभ कॉलेज की प्रभारी प्रचार्या डॉ अंतिमा तिवारी द्वारा किया गया। बेवीनार के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना के बीयू के कार्यक्रम संमवयक डॉ अनंत सक्सेना थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि, वर्तमान कोरोना संकट के काल में युवाओं को मानसिक रूप से सबसे ज्यादा स्वस्थ्य रहने की जरूरत है, एनएसएस इसमें अपनी अहम भूमिका निभा रही है, और अपना सहयोग प्रदान करती है। कार्यक्रम के विशेष अतिथि राहुल सिंह परिहार एनएसएस मुक्त ईकाई बीयू भोपाल ने इस मौके पर एनएसएस के स्वयंसेवकों को कोरोना काल के चुनौतीपूर्ण समय में अपने कार्यों की नई रूपरेखा बनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और विषय विशेषज्ञ प्रशांत दुवे निदेशक आवाज संस्था ने बेवीनार को संबोधित करते हुए बाल अधिकारों से जुड़े मुद्दों की जानकारी दी। उन्होंने बाल सुरक्षा और उनके संरक्षण के मुद्दे पर भी अपने विचार रखे। लैंगिक शोषण पर बात करते हुए दुबे ने कहा कि, हमारे देश में करीब 53 प्रतिशत से ज्यादा बच्चों ने माना कि वे किसी ना किसी रूप में लैंगिक शोषण के शिकार हुए हैं। इसी को रोकने के लिए साल 2012 में पॉक्सो एक्ट लागू किया गया है। ताकि बच्चों को अपराधों से संरक्षण दिया जा सके। दुवे ने कहाकि, हैरत की बात है कि भोपाल जैसे विकसित जिले में भी 36 प्रतिशत तक बाल विवाह होते हैं, इस स्थिति को बदलने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी जीवन को गति देता है : कौर

संत हिरदाराम नगर। विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी जीवन को गति देता है, आध्यात्म जीवन को ऊर्जा से भरता है। इस पंडेमिक समय में जरूरत शैक्षणिक आयाम इस प्रकार हो कि भारत विश्व गुरू बनें। भारत वर्ष की पुरातन संस्कृति, वेद एवं विभिन्न आदिकालीन गुरू गार्गी, पाणिनी, पिंगला, भारद्वाज का उदाहरण देकर बताया कि विज्ञान एवं तकनीक में हम किस प्रकार समृद्ध थे। यह कहना है संत हिरदाराम कालेज में चल रहे वेबिनार कार्यक्रम में प्राचार्या चरनजीत कौर का। उन्होंने बताया कि आज वैश्विक स्तर पर तकनीक युग का आरम्भ हुआ है। उन्होंने कहा कि कोरोना में महाविद्यालय बंद होने के बाद भी सतत? स्टूडेंट?स को वेबिनार के जरिये विभिन्न विषयों पर चर्चा का मौका दे रहा है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के शैक्षणिक आयामों के साथ भविष्य की संकल्पना विषया पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कौर ने कहा कि ज्ञान हमें पूर्णता, प्रसन्नता तथा आध्यात्मिक शांति देता है। जीवन को सुखी एवं समृद्ध बनाकर आनंद के लिए प्रेम की असीमित शक्ति के प्रति जागरूक होना आवश्यक है। वेबिनार में विभा खरे, विभागाध्यक्ष, आहार एवं पोषण विभाग ने शिक्षण के आधार तत्व पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. सुनीला चौबे, विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग ने वेबिनार का संचालन किया।

स्रोत : दैनिक समाचार पत्र "पत्रिका" दिनांक 10 सितंबर 2020
पृष्ठ क्रमांक 12

'बाल संरक्षण में युवाओं की भूमिका' पर वेबिनार

गायब हुए 30 बच्चों में से 9 ही वापस घर आ पाते हैं

भोपाल ◆ शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा बाल संरक्षण क्लब की ओर से ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'बाल संरक्षण में युवाओं की भूमिका' था।

मुख्य अतिथि डॉ. अंनत सक्सेना, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने कहा कि वर्तमान कोरोना काल में युवाओं का मानसिक रूप से स्वस्थ होने की आवश्कयता है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के इस कार्य में सहयोग प्रदान करती है। विशेष अतिथि राहुल सिंह परिहार, राष्ट्रीय सेवा योजना, मुक्त ईकाई, बीयू ने स्वयं सेवकों को कोरोना काल में राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों की नई रूपरेखा बनाने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य वक्ता प्रशांत दुबे ने बच्चों के अधिकार जैसे जीवन का अधिकार, विकास का अधिकार तथा सहभागिता का अधिकार पर चर्चा कर बाल सुरक्षा से जुड़े विषय पर विचार व्यक्त किए। दुबे ने बताया कि एक अध्ययन में लगभग 53 प्रतिशत बच्चों ने स्वीकार किया कि वे किसी न किसी तरह के लैंगिक शोषण के शिकार हुए हैं। इस लैंगिक शोषण को रोकने के लिए सरकार ने 2012 पोक्सो कानून लागू किया है, जो बालको को लैंगिक अपराधों से संरक्षण प्रदान करता है। इसके बारे सभी को जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि भोपाल जैसे विकसित जिले में 36 प्रतिशत बाल विवाह हैं। मध्यप्रदेश में लगभग 30 बच्चे प्रतिदिन गायब होते है, जिसमें से 9 बच्चे वापस घर नही आते। इसलिए स्वयं सेवक जागरूक होकर इस बुराई को रोकने के लिए सतर्क रहें।

बच्चों के अधिकारों पर हुई ऑनलाइन चर्चा

भोपाल। राजधानी के शा. कला एंव वाणिज्य महाविद्यालय में मंगलवार को बाल संरक्षण में युवाओं की भूमिका विषय पर बेवीनार का आयोजन किया गया। एनएसएस ईकाई तथा बाल संरक्षण क्लब द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन बेवीनार का शुभारंभ कॉलेज की प्रभारी प्रचार्या डॉ अंतिमा तिवारी द्वारा किया गया। बेवीनार के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना के बीयू के कार्यक्रम संमवयक डॉ अनंत सक्सेना थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि, वर्तमान कोरोना संकट के काल में युवाओं को मानसिक रूप से सबसे ज्यादा स्वस्थ्य रहने की जरूरत है, एनएसएस इसमें अपनी अहम भूमिका निभा रही है, और अपना सहयोग प्रदान करती है। कार्यक्रम के विशेष अतिथि राहुल सिंह परिहार एनएसएस मुक्त ईकाई बीयू भोपाल ने इस मौके पर एनएसएस के स्वयंसेवकों को कोरोना काल के चुनौतीपूर्ण समय में अपने कार्यों की नई रूपरेखा बनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और विषय विशेषज्ञ प्रशांत दुवे निदेशक आवाज संस्था ने बेवीनार को संबोधित करते हुए बाल अधिकारों से जुड़े मुद्दों की जानकारी दी। उन्होंने बाल सुरक्षा और उनके संरक्षण के मुद्दे पर भी अपने विचार रखे। लैंगिक शोषण पर बात करते हुए दुबे ने कहा कि, हमारे देश में करीब 53 प्रतिशत से ज्यादा बच्चों ने माना कि वे किसी ना किसी रूप में लैंगिक शोषण के शिकार हुए हैं। इसी को रोकने के लिए साल 2012 में पॉक्सो एक्ट लागू किया गया है। ताकि बच्चों को अपराधों से संरक्षण दिया जा सके। दुवे ने कहाकि, हैरत की बात है कि भोपाल जैसे विकसित जिले में भी 36 प्रतिशत तक बाल विवाह होते हैं, इस स्थिति को बदलने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

स्त्रोत :- दैनिक समाचार पत्र "राज एक्सप्रेस"। दिनांक 10 सितंबर 2020

पृष्ठ क्रमांक 05

बाल अधिकार सप्ताह ''महफूज'' के अन्तर्गत महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा शपथ ग्रहण दिनांक 16–11–2020 को किया गया।

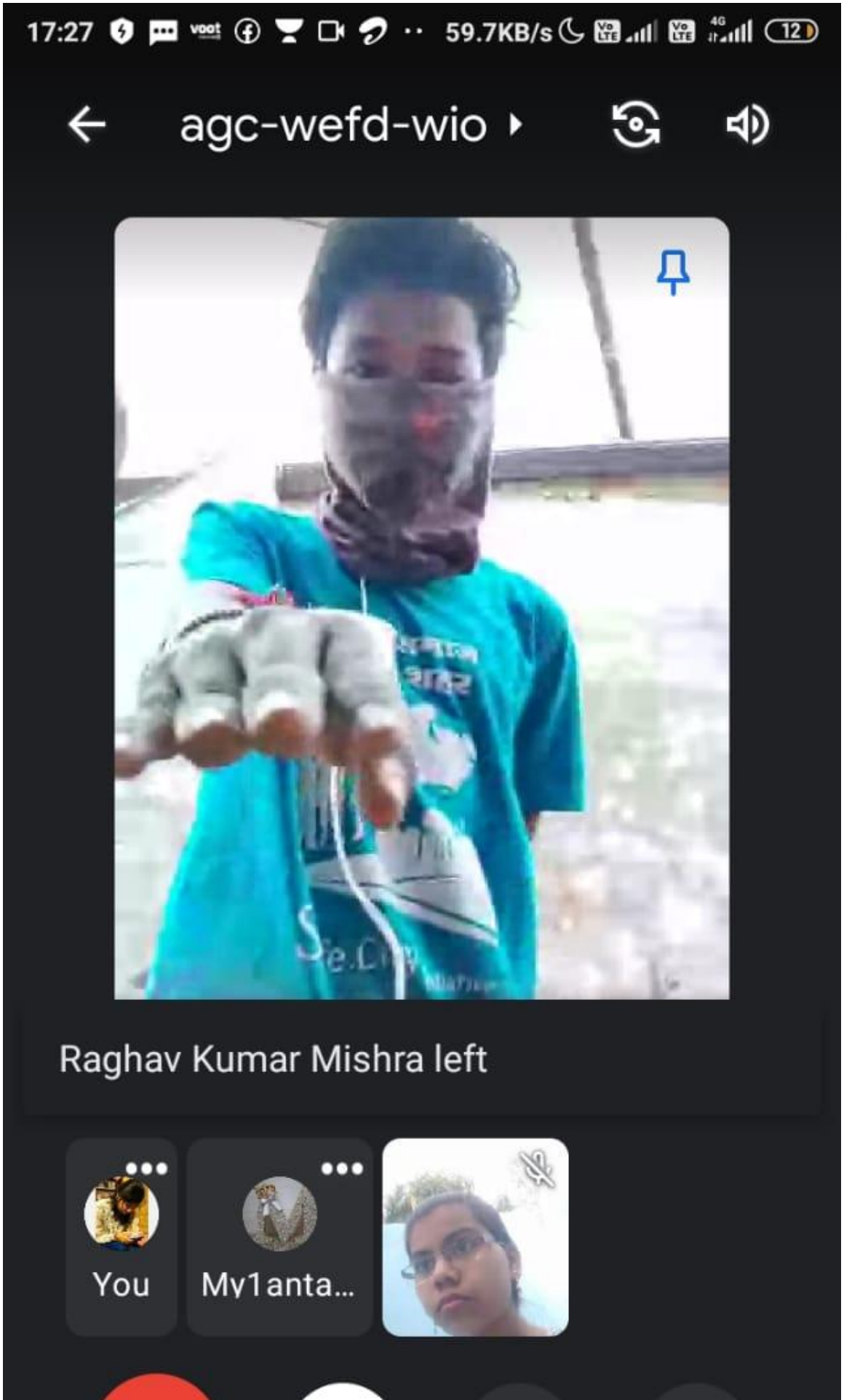
17:27
59.7KB/s
agc-wefd-wio
Raghav Kumar Mishra left
You
My1anta...

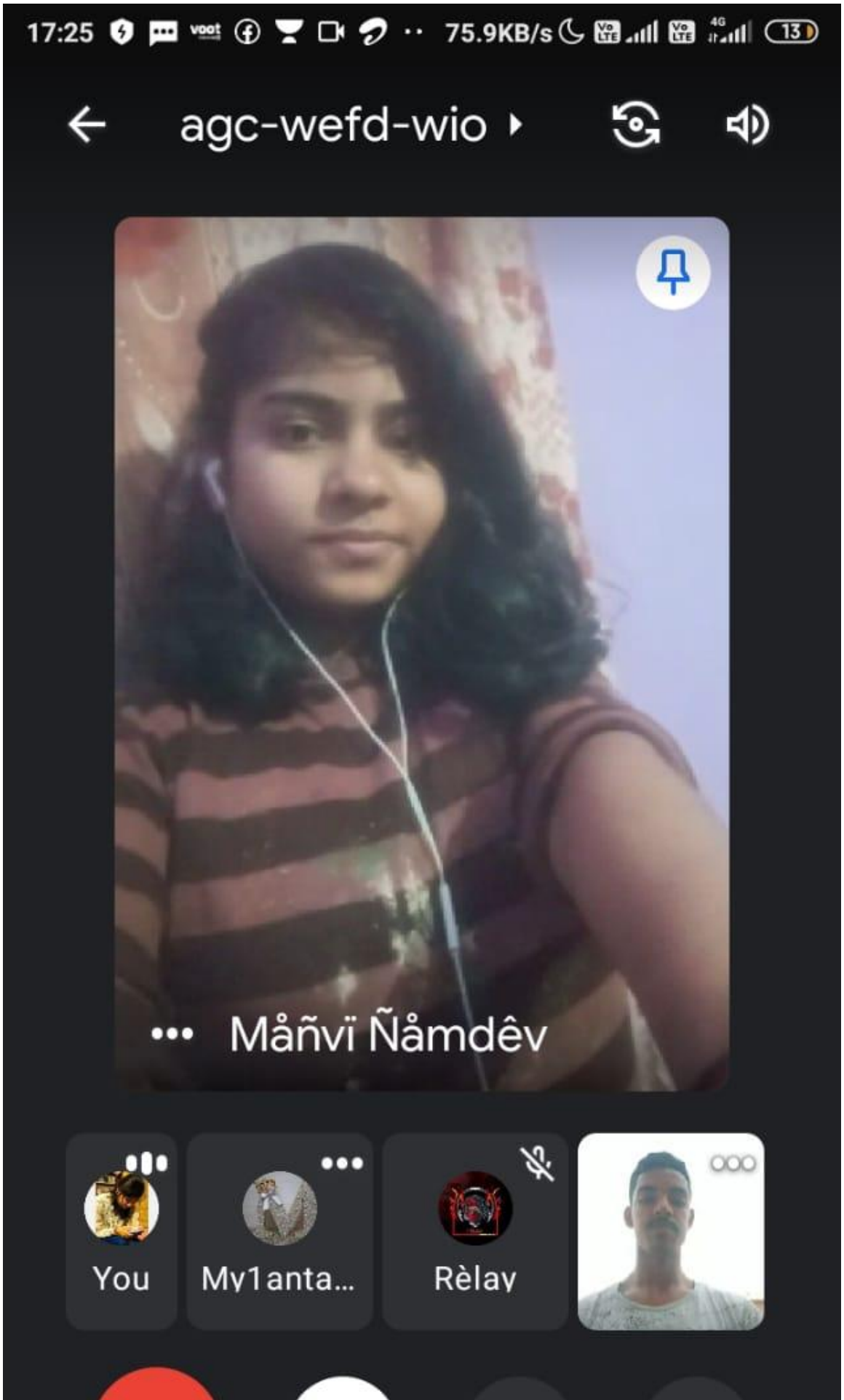
17:25
75.9KB/s
agc-wefd-wio
Måñvï Ñåmdêv
You
My1anta...
Rèlay

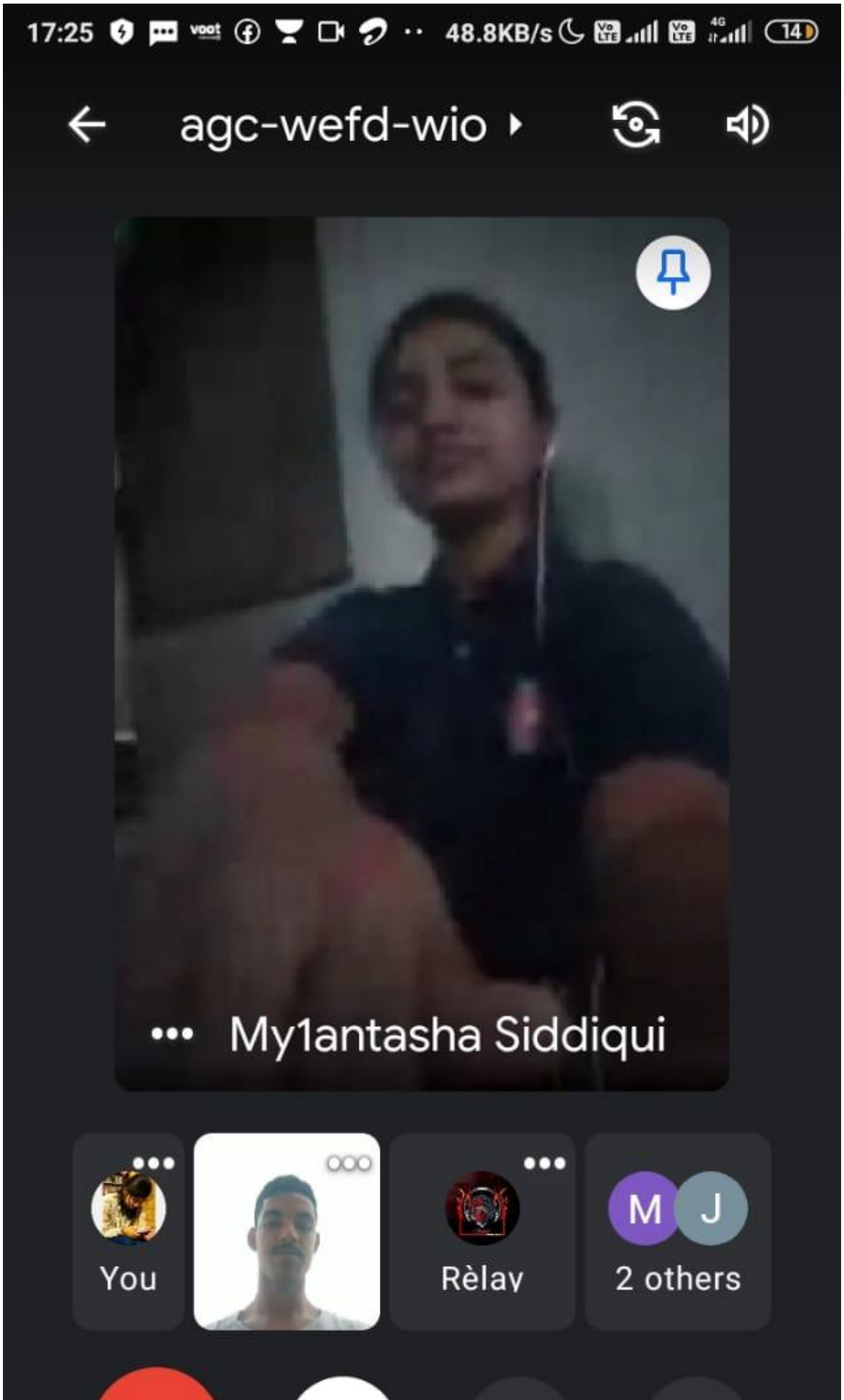
17:25
48.8KB/s
agc-wefd-wio
My1antasha Siddiqui
You
Rèlay
M
J
2 others

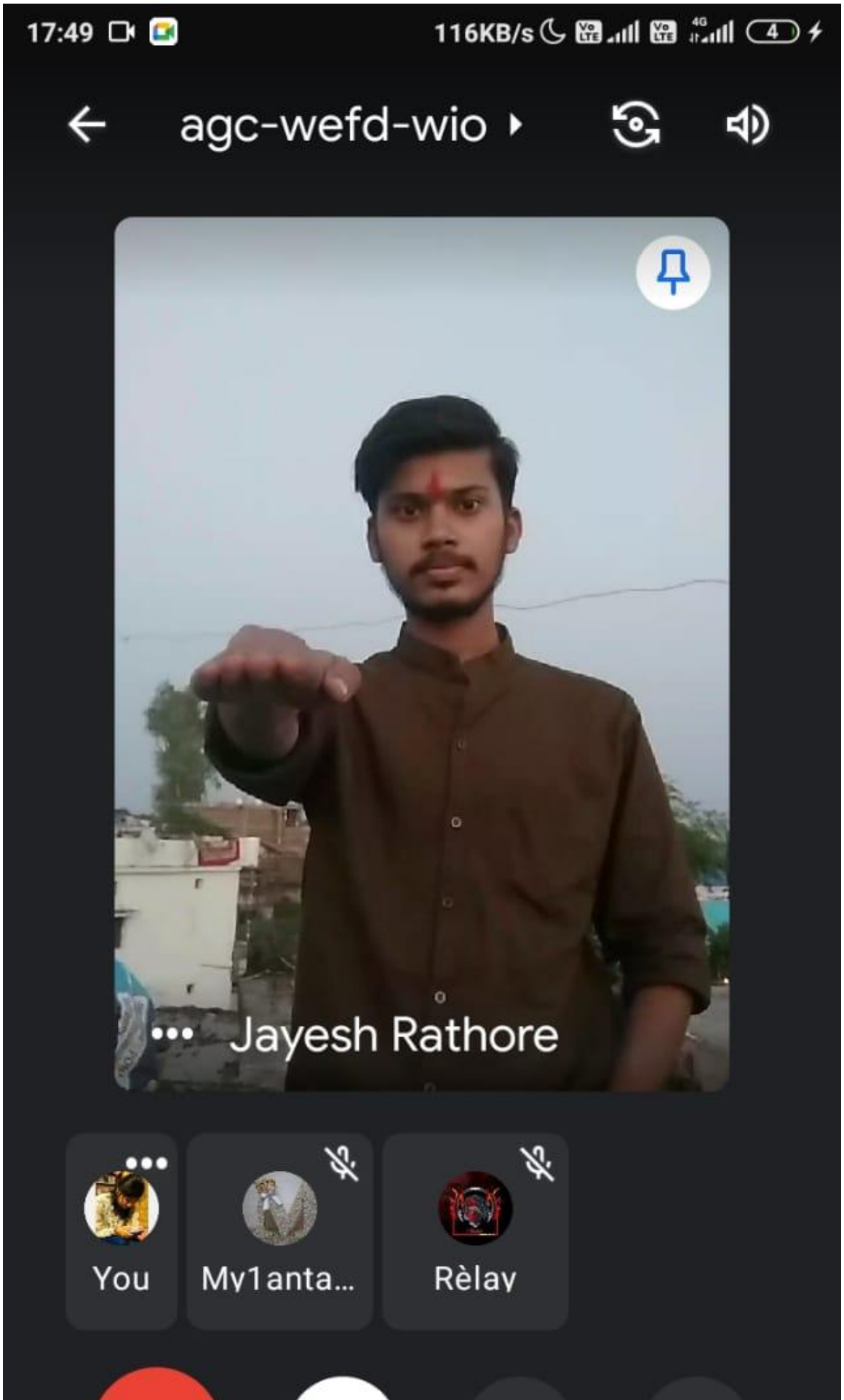
17:49
116KB/s
agc-wefd-wio
Jayesh Rathore
You
My1anta...
Rèlay

17:20 31.7KB/s 16

About this call

People | Information

ADD OTHERS

Share joining information

IN CALL

Ritika Jain (You)

Jaya Malviya

Måñvï Ñåmdêv

My1antasha Siddiqui

Raghav Kumar Mis...

Rèlay

Rk Rupesh Verma

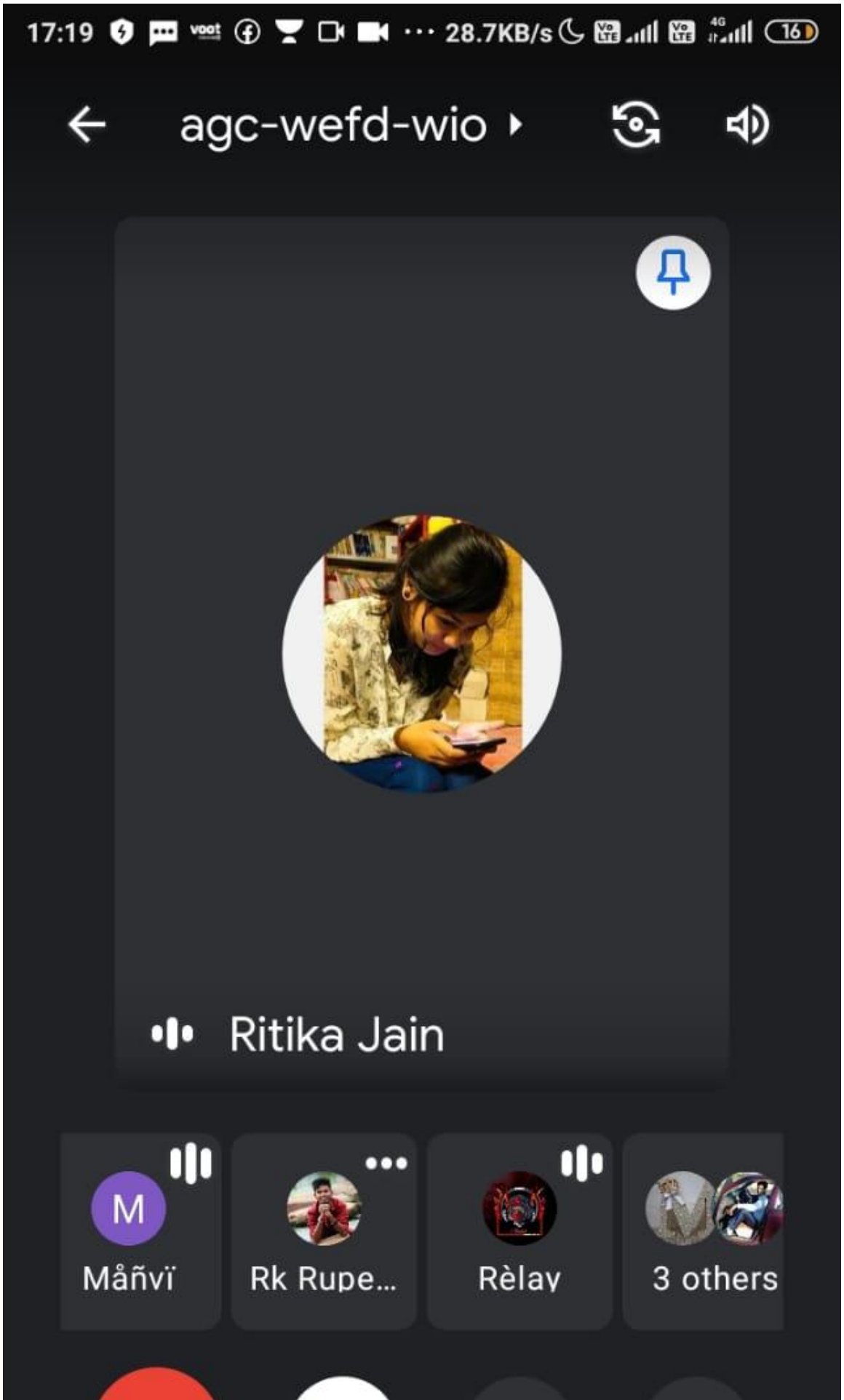
17:19
28.7KB/s
agc-wefd-wio
Ritika Jain
M
Måñvï
Rk Rupe...
Rèlay
3 others

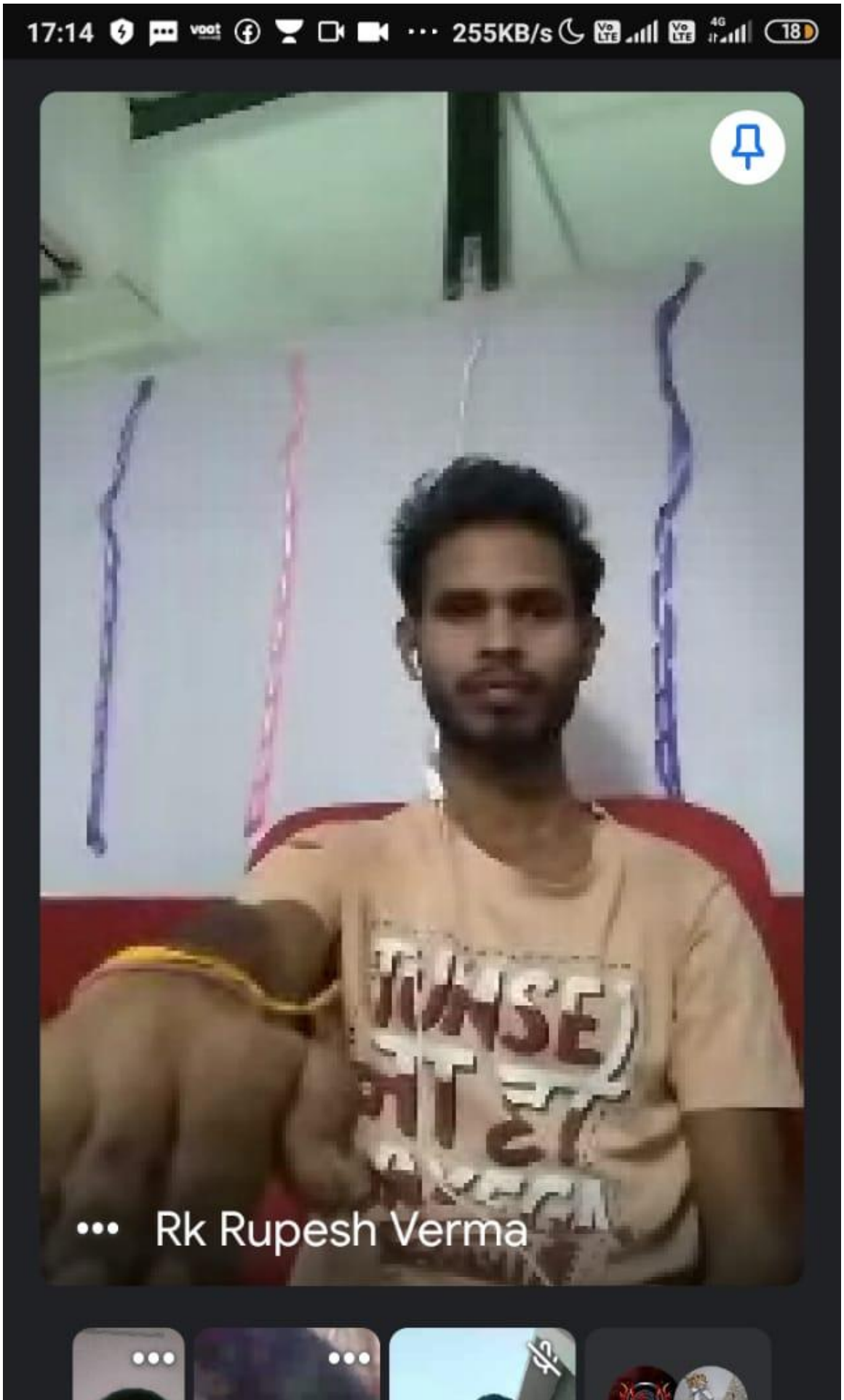
17:14
255KB/s
Rk Rupesh Verma

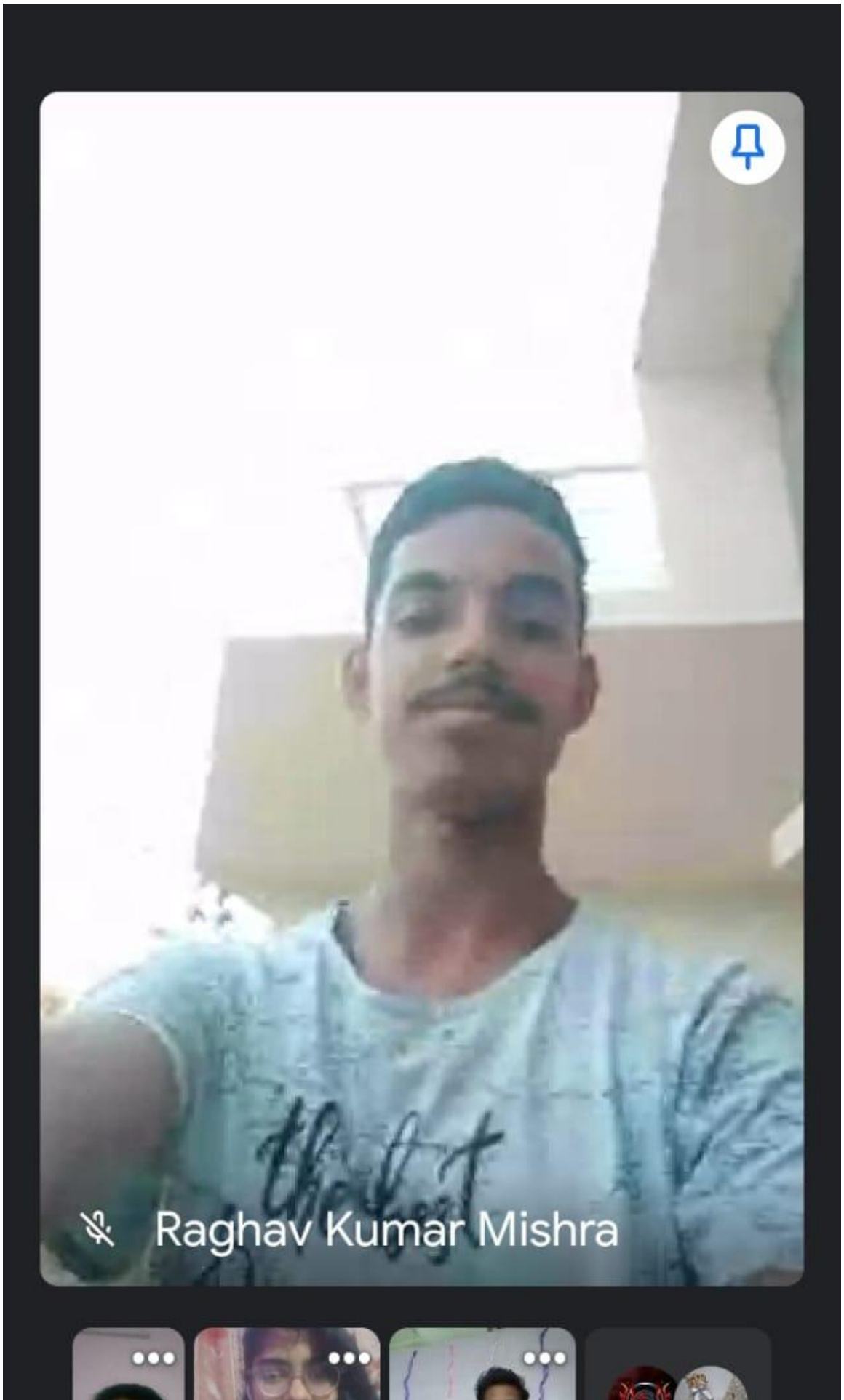
Raghav Kumar Mishra

बाल अधिकार सप्ताह ''महफूज'' के अन्तर्गत महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा रंगोली दिनांक 17–11–2020 को किया गया।

SAVE GIRL
PRIYA PAWAR
Let's Her Fly
SAVE NATURE
STOP RAPE

#1098
#100
#childrightsweek2020
#7days7issues
#Isupport Child Rights
Ritika Jain
Child Abuse
See it, Hear it, Report it!!

#Childrightsweek2020
#7days7issues
#Isupport Child Rights
Ritika
Child Abuse
See it, Hear it, Report it!

Jaya Malviya
Both Are Equal
Girl
BOY
Safe girl Safe future
SAFE GIRL

बाल अधिकार सप्ताह ''महफूज'' के अन्तर्गत महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा मेंहदी प्रतियोगिता दिनांक 18–11–2020 को किया गया।

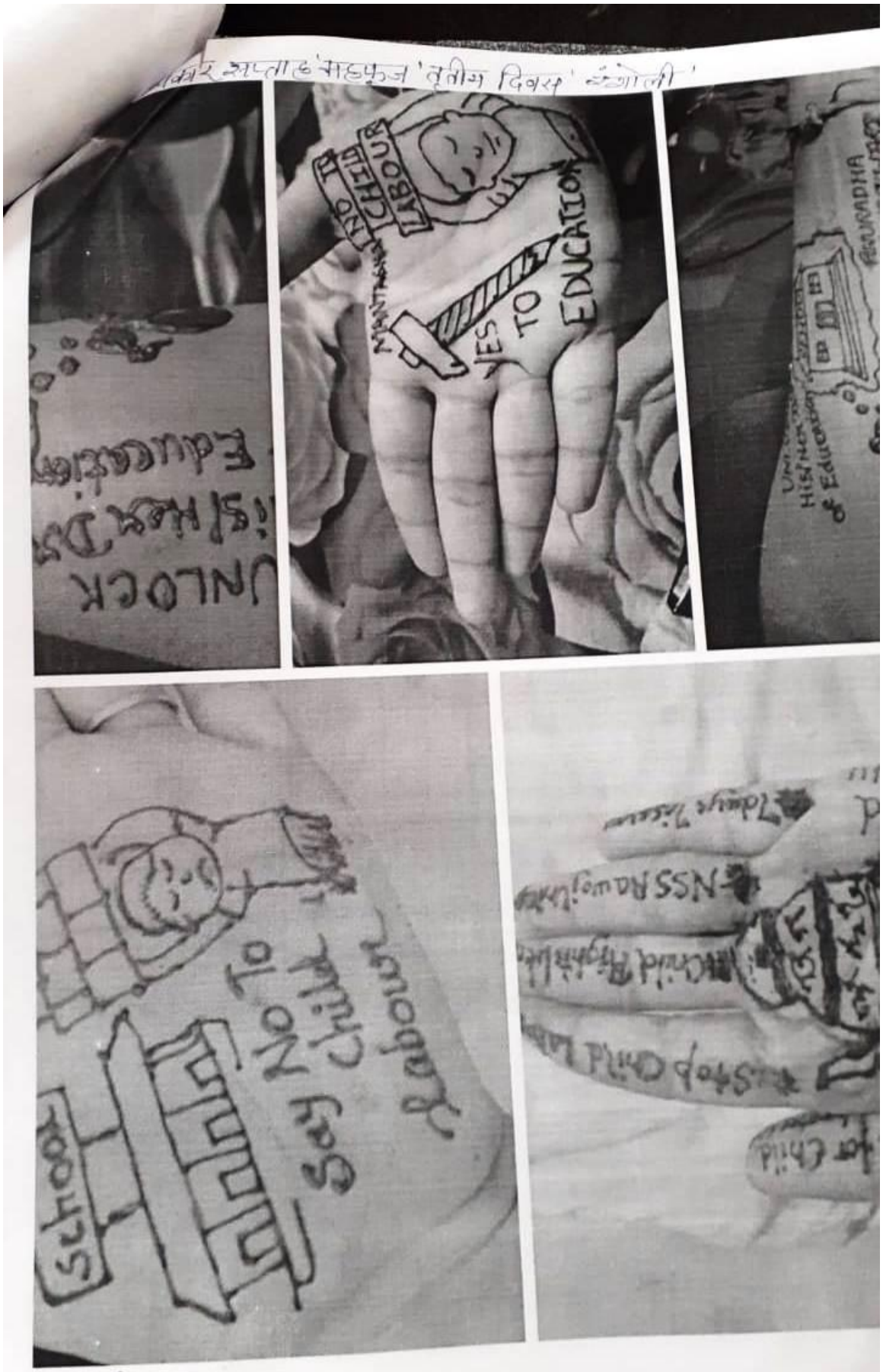

कार सप्ताह 'महफूज' 'तृतीय दिवस' रंगोली

दिनांक 18.11.2020

School
Say No To
Child
Labour

UNLOCK
His/Her Dream
of Education
SCHOOL

बाल अधिकार सप्ताह ''महफूज'' के अन्तर्गत महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता दिनांक 19–11–2020 को किया गया।

11.2020

बाल अधिकार सप्ताह ''महफूज'' के अन्तर्गत महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वरा शार्ट फिल्म प्रदर्शन दिनांक 20–11–2020 को किया गया।